द .अफ्रीका ने भारत को दिया विशाल लक्ष्य

गुवाहाटी, 25 नवंबर. भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में मेहमान टीम ने भारत पर मजबूत पकड़ बना ली है.

चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पाँच विकेट पर 260 रन बनाकर घोषित की और भारत के सामने 549 रन का लक्ष्य रखा. जवाब में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही और दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर मात्र 27 रन बनाए. अब भारत को हार से बचने के लिए अंतिम दिन पूरे तीन सेशन खेलने होंगे, जबकि दक्षिण अफ्रीका जीत से सिर्फ आठ विकेट दूर है दक्षिण अफ्रीका ने सुबह अपनी पारी 26 रन बिना नुकसान के आगे बढ़ाई और संयमित बल्लेबाजी करते हुए स्कोर को सुरक्षित स्थिति तक पहुंचाया. ट्रिस्टन स्टब्स ने शानदार धैर्य और तकनीकी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 94 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली. उन्होंने 180 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का जड़ा. हालांकि वे अपने शतक से छह रन दूर रह गए और रवींद्र जडेजा की गेंद पर बोल्ड हो गए. दूसरी ओर एडन मार्करम (29), टोनी डि ज़ॉर्जी (49), रेयान रिकएलटन (35) और वियान मुल्डर (नाबाद 35) ने उपयोगी योगदान दिए. दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में जडेजा भारत के सबसे सफल गेंदबाज़ रहे और उन्होंने 62 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि वाशिंगटन सुंदर को एक सफलता मिली. पहली पारी में 288 रनों की बढ़त के बाद दक्षिण अफ्रीका का निर्णय था कि भारत को पिच पर अधिक समय तक टेस्ट

भारत पर दबाव स्वत: बढ़ा

कई लोगों का मानना था कि दक्षिण अफ्रीका अपनी बढ़त का लाभ पहले उठा सकते थे. इसके बावजूद दक्षिण अफ्रीका का कुल लक्ष्य इतना बड़ा रहा कि भारत पर दबाव स्वत: बढ़ गया. भारतीय टीम की दूसरी पारी की शुरुआत निराशाजनक रही. पहले पारी में छह विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाज़ों को परेशान करने वाले मार्को यानसन ने फिर वही त्रासदी दोहराई. उन्होंने यशस्वी जायसवाल को 13 रन पर विकेटकीपर के हाथों कैच कराया. इसके तुरंत बाद साइमन हार्मर ने केएल राहुल को सिर्फ 6 रन पर क्लीन बोल्ड किया. इस तरह भारत ने 21 रन के स्कोर पर दोनों सलामी बल्लेबाज़ खो दिए.

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका – दूसरी पारी (घोषित): 260/5
(पहली पारी: 489 रन)
एडन मार्करम- 29
रेयान रिकएलटन- 35
ट्रिस्टन स्टब्स- 94
टोनी डी जॉर्जी-49
वियान मुल्डर-35*
काइल वेरेन-2*
अतिरिक्त: 16
कुल: 260/5, घोषित

भारत की गेंदबाज़ी

रविंद्र जडेजा :16-1-62-4
वाशिंगटन सुंदर: 14-1-67-1
मोहम्मद सिराज :9-0-34-0
कुलदीप यादव : 18-3-54-0
जसप्रीत बुमराह : 8-1-25-0

भारत के यशस्वी (13) और राहुल (6) जल्द आउट

जडेजा की गेंदबाज़ी ने भारत को थोड़ी राहत दी 4 विकेट

भारत – दूसरी पारी

27/2 (स्टंप्स, चौथा दिन)
(पहली पारी: 201 रन)
यशस्वी जायसवाल- 13
के.एल. राहुल-6
साई सुदर्शन- 2*
कुलदीप (नाइटवॉचमैन)-4*
अतिरिक्त: 2
कुल: 27/2

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी

मार्को यानसन : 5-1-12-1
सायमन हार्मर : 6-2-6-1
केशव महाराज : 1-0-5-0
लक्ष्य: 549 रन
भारत अभी 522 रन पीछे

बीकानेर की पूजा बिश्नोई ने जीता सिल्वर, राजस्थान को पहला पदक

- किसान परिवार से नेशनल पोडियम तक हौसले की कहानी
- खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में नया इतिहास
- अनुभव के आगे झुक गई बढ़त, लेकिन इरादा रहा अडिग

जयपुर, 25 नवंबर. जयपुर-आगरा हाईवे पर मंगलवार की सुबह सामान्य दिनों जैसी नहीं थी. हवा ठंडी थी, सूरज धीमी रफ्तार में ऊपर उठ रहा था और सड़कें उसी तरह जाग रही थीं जैसे किसी बड़ी उम्मीद के पहले जागरण की शुरुआत होती है.

लेकिन आज सड़क सिर्फ़ सड़क नहीं थी वह एक रेस ट्रैक थी. आवाज़ें सिर्फ़ हवा की नहीं थीं साइकिल टायरों की रफ्तार भी साथ चल रही थी. यह दृश्य था खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 के रोड साइक्लिंग इवेंट का, जहां भारत भर से आए साइक्लिस्ट मैदान में अपना सब कुछ देने के लिए तैयार थे. राइडर्स की लंबी लाइन में, बिब नंबर-44 पहने एक युवा महिला भी थी—पूजा बिश्नोई, उम्र सिर्फ़ 22 वर्ष, जिनकी नज़रें ट्रैक पर थीं, लेकिन उनका सफ़र इस 30 किलोमीटर के मुकाबले से कहीं ज़्यादा लंबा था. बीकानेर के एक छोटे से गांव से शुरू हुआ यह सफ़र आज इस फिनिश लाइन तक पहुंच चुका था, जहां जीत सिर्फ़ मेडल नहीं थी—बल्कि पहचान थी.

'हार नहीं, शुरुआत है' पूजा की मुस्कान में ताकत

पोडियम पर खड़ी पूजा की मुस्कान बड़ी थी और ईमानदार भी. उन्होंने कहा: 'मैं पहले लैप में आगे थी, लेकिन मीनाक्षी बहुत एक्सपीरियंस्ड हैं. दो दिन पहले ही मैंने 100 किमी की रेस खेली थी, तो थोड़ा थकान थी. लेकिन अपने स्टेट के पहले खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में पहला मेडल जीतना बहुत बड़ी बात है. 'उनकी आवाज में थकान नहीं गर्व था. सपने से पहले की असल परीक्षा पूजा ने साइक्लिंग 16 साल की उम्र में शुरू की. आय सीमित, लेकिन सपने नहीं. उनका बड़ा भाई खुद साइक्लिस्ट रह चुका था, और वही पहला इंसान था जिसने पूजा में खिलाड़ी नहीं, क्षमता देखी. शुरुआती दो साल कठिन थे. पैसे कम, इक्विपमेंट महंगे और खेल में अवसर सीमित. पूजा मानती हैं: 'कई बार लगा कि खेल गलत चुना. लेकिन परिवार और रिश्तेदारों ने साथ दिया. वह कहती हैं: 'मेरे जैसे परिवारों के लिए 10,000 रुपये भी बड़ी रकम है.

सबसे ज़्यादा डिमांड वाली खिलाड़ी होंगी दीप्ति

वेदा कृष्णमूर्ति ने दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड असर की वैल्यू को खास बताया

नयी दिल्ली, 25 नवम्बर जैसे-जैसे टीमें टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 मेगा ऑक्शन की तैयारी कर रही हैं और अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं, सभी की नजरें भारत की टॉप ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और भरोसेमंद बैट्समैन हरलीन देओल पर हैं, जो उनकी लाइन-अप को मजबूत करेंगी.

जियो हॉटस्टार के शो 'मोस्ट वांटेड: टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 ऑक्शन' में एक्सपर्ट अंजुम चोपड़ा और वेदा कृष्णमूर्ति ने दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड असर और हरलीन देओल की वैल्यू को खास भारतीय खिलाड़ियों के तौर पर बताया, जिन पर हर फ्रेंचाइजी करीब से नजर रखेगी. अंजुम चोपड़ा ने अपनी राय साझा करते हुए कहा, 'गुजरात जायंट्स को मेगा-ऑक्शन में दीप्ति शर्मा पर जरूर विचार करना चाहिए. दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हें एक भारतीय खिलाड़ी के रूप में टारगेट कर सकती है जो बैटिंग और बॉलिंग दोनों को मजबूत करती है. गुजरात और दिल्ली के बाद यूपी वॉरियर्स उनकी सर्विस लेने में दिलचस्पी रखने वाली तीसरी टीम हो सकती है.' गुजरात जायंट्स द्वारा हरलीन देओल को रिलीज किए जाने पर उन्होंने कहा, 'मुझे हैरानी है कि गुजरात जायंट्स ने हरलीन देओल को रिलीज किया. वह एक मल्टी-टैलेंटेड भारतीय खिलाड़ी है जो थोड़ी बॉलिंग भी कर सकती है, और मुझे उम्मीद है कि वह अपनी बॉलिंग स्किल्स को और डेवलप करेगी.

एक नजर में

बेल्जियम के खिलाफ भारत 2-3 से हारा

इपोह. भारतीय हॉकी टीम ने मंगलवार को मलेशिया के इपोह में सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में बेल्जियम के खिलाफ फाइटिंग परफॉर्मेंस दी, लेकिन 3-2 से हार गई. सुल्तान अज़लान शाह स्टेडियम में हुआ यह हॉकी मैच पहले सोमवार को होना था, लेकिन भारी बारिश की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया. भारत के लिए अभिषेक (33′) और शिलानंद लाकड़ा (57′) ने गोल किए, जबकि पूर्व ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17′, 57′) और निकोलस डी कर्पेल (45′) गोल करने वाले खिलाड़ी थे. सातवें नंबर की टीम भारत ने पक्के इरादे से शुरुआत की, दुनिया की नंबर 3 बेल्जियम को दूर रखा और शुरुआती दबाव का सामना किया. भारतीय गोलकीपर पवन को रीस्टार्ट के दोनों तरफ एक्शन में लाया गया, जिससे उनकी टीम बराबरी पर रही और वे लगातार गेम में आगे बढ़ते रहे. बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर से पहला असली मौका मिला, और जल्द ही उन्होंने दूसरा मौका भी बनाया. हालांकि, भारतीय डिफेंस ने मजबूती से खड़े होकर यह पक्का किया कि वे पहले क्वार्टर के बाद बराबरी पर रहें.

चार और टीमें मदुरै, चेन्नई पहुंचीं

मदुरै. एफआईएच हॉकी मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप से पहले उत्साह बढ़ने के साथ, जापान और चिली चेन्नई पहुंच गए, जबकि स्पेन और ऑस्ट्रिया 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाले इस बड़े इवेंट के लिए अपनी आखिरी तैयारियां शुरू करने के लिए मदुरै पहुंच गए. जापान, जो अपना चौथा जूनियर वर्ल्ड कप खेल रहा है, सोमवार देर रात पहुंचा. अर्जेंटीना, चीन और न्यूजीलैंड के साथ पूल सी में रखे गए जापानी, भारत के इस दौरे पर अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक होंगे. वे 28 नवंबर को अर्जेंटीना के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, फिर 30 नवंबर को चीन से भिड़ेंगे, और आखिर में 1 दिसंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के साथ अपना ग्रुप स्टेज पूरा करेंगे.

रेलवे स्पोर्ट्स बोर्ड ने नेहरू सीनियर्स हॉकी ट्रॉफी जीती

नयी दिल्ली, 25 नवंबर आज शाम एक बहुत बड़े मुक़ाबले में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने इंडियन नेवी को 3-2 से हराकर शानदार एसएनबीपी नेहरू गोल्ड कप जीत लिया।

शिवाजी स्टेडियम में मौजूद शानदार भीड़ को एक तेज-तर्रार मुकाबले का मज़ा आया जो आखिर तक किसी भी तरफ जा सकता था। रेलवे स्पोर्ट्स बोर्ड के लिए यह दो दिन पहले नेवी के हाथों पूल डी के अपने पिछले मैच में मिली हार का मीठा बदला था। असल में, रेलवे के लड़कों ने, जो पहले ही सेमीफ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई कर चुके थे, जानबूझकर वह मैच गंवा दिया था क्योंकि वे कभी भी पूल में टॉप पर नहीं पहुंचना चाहते थे। रेलवे टीम, जिसने कल इंडियन एयर फ़ोर्स को 3-0 से हराया था, ने आज तीसरे क्वार्टर के आखिर में 3-1 की बढ़त बनाकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

उनके मुख्य खिलाड़ी प्रताप लाकड़ा थे, जिनके दो गोल मैच का मुख्य आकर्षण थे, साथ ही शेषा गौड़ा, मुकुल शर्मा, लवप्रीत और राजबीर भी थे। मेहनती कप्तान जसजीत का भी उनकी जीत में अहम रोल था। इंडियन नेवी ने बीच-बीच में शानदार प्रदर्शन किया।

मीनाक्षी रोहिल्ला ने गेम्स का पहला गोल्ड जीता

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी को शूटिंग में दो गोल्ड

जयपुर, 25 नवंबर गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी की साइक्लिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने मंगलवार को जयपुर में महिलाओं के इंडिविजुअल टाइम ट्रायल में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 का पहला गोल्ड मेडल जीता।

शिवाजी यूनिवर्सिटी की काजोल सरगर ने महिलाओं की 48किग्रा में वेटलिफ्टिंग में गोल्ड जीता और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की साक्षी पाडेकर ने महिलाओं की 10मी एयर राइफल में गोल्ड जीता, क्योंकि मंगलवार को राज्य में कई जगहों पर स्पोर्ट्स एक्शन शुरू हुआ।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स प्रोग्राम में साइक्लिंग के डेब्यू के साथ, यह सही था कि पहला गोल्ड मेडल उस खिलाड़ी को मिला जो लंबे समय के बाद रोड इवेंट्स में भी वापसी कर रहा था। टीम परस्यूट में 2022 एशियन चैंपियनशिप की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट मीनाक्षी ने साबित कर दिया कि वह रोड रेसिंग में भी एक ताकत हैं, क्योंकि उन्होंने यहां एक सोची-समझी रेस स्ट्रेटेजी के साथ गोल्ड मेडल जीता। वह पटियाला में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के नेशनल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेती हैं।

15 फरवरी को होगी भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

2026 टी20 विश्व कप

मुम्बई, 25 नवम्बर 2026 टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत 15 फरवरी को कोलंबो में होगी. टूर्नामेंट के आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा मंगलवार को आईसीसी मुंबई में करेगी.

2025 एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच काफी गर्म माहौल में मैच खेले गए थे और इसके बाद ये दोनों टीमें पहली बार भिड़ती हुई नजर आएंगी. यह मैच आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा जो टूर्नामेंट में भारत का ग्रुप स्टेज का तीसरा मैच होगा. ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि भारत और पाकिस्तान के ग्रुप में अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया को रखा गया है. 7 फरवरी को मुंबई में भारत अपना पहला ग्रुप स्टेज मैच अमेरिका के खिलाफ खेलेगा और यही टूर्नामेंट का पहला दिन भी होगा.

नीता अंबानी ने भारत की ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम को दी बधाई

मुम्बई. रिलायंस फॉउंडेशन की चेयरपर्सन और संस्थापक नीता एम. अंबानी ने इंडियन ब्लाइंड विमेंस क्रिकेट टीम को पहला ब्लाइंड विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप जीतने पर बधाई दी है. नीता अंबानी ने बधाई देते हुए कहा, 'हमारी नीली जर्सी वाली लड़कियों ने हमें एक बार फिर गर्व महसूस कराया है, क्योंकि इंडिया की विजुअली इम्पेयर्ड विमेंस क्रिकेट टीम ने पहला टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता है. उन्होंने हमें दिखाया है कि असली विजन दिल से आता है.

ग्रैंड ऑफिशियल जर्सी लॉन्च

नयी दिल्ली, 25 नवंबर इंडियन सॉफ्टबॉल क्रिकेट फाउंडेशन की लीडरशिप में इंडियन सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग ने अपनी ऑफिशियल जर्सी लॉन्च और टीम ओनर्स इंट्रोडक्शन सेरेमनी होस्ट की, जो पूरे भारत में सॉफ्टबॉल क्रिकेट को प्रोफेशनल पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम है.

इस इवेंट में देश भर के राज्यों, शहरों और इलाकों को रिप्रेजेंट करने वाली 32 टीमों के आने का जश्न मनाया गया, जिसमें अंडमान और निकोबार आइलैंड्स और लक्षद्वीप से पहली बार हिस्सा लेने वाली टीमें भी शामिल थीं, जो एक प्लेटफॉर्म पर सही मायने में नेशनल इन्क्लूजन का संकेत है. फ्रेंचाइजी ओनर्स, प्लेयर्स, जाने-माने लोग और पब्लिक पर्सनैलिटीज एक साथ आए और सभी 32 टीमों की ऑफिशियल जर्सी का अनावरण किया और उन ओनर्स को इंट्रोड्यूस किया जो इस सीजन में अपनी टीम को लीड करेंगे. सेरेमनी में प्लेयर्स की लिस्ट की घोषणा भी की गई, जिससे मैदान में उतरने वाले टैलेंटेड लोगों में उत्साह पैदा हो गया. आईएससीएल के ब्रांड एंबेसडर सुरेश रैना की मौजूदगी ने इस मौके को और बड़ा कर दिया. क्योंकि उन्होंने सॉफ्टबॉल क्रिकेट को ज़्यादा लोगों तक पहुंचाने और देश के हर कोने से नए टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए सपोर्ट किया.

ऐतिहासिक समापन 16 पदकों के साथ भारत का सर्वश्रेष्ठ डेफलंपिक्स प्रदर्शन, चेतन सपकल फाइनल में छठे स्थान पर

माहित संधू बनीं अभियान की सबसे सफल एथलीट

टोक्यो, 25 नवंबर समर डेफलंपिक्स शूटिंग रेंज में मंगलवार की दोपहर भारतीय तिरंगे के लिए मिली-जुली भावनाओं का पल लेकर आई.

जहां एक ओर 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल फाइनल में चेतन हनमंत सपकल छठे स्थान पर रहे, वहीं दूसरी ओर भारत ने अपने शूटिंग अभियान का समापन 16 पदकों के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ किया. यह वह क्षण था जब फाइनल टारगेट पर गूंजती आखिरी गोली ने भारत को सिर्फ एक योग्य परिणाम नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा भी दी—एक ऐसी दिशा जहां भारतीय डेफ शूटर्स न सिर्फ प्रतिस्पर्धी हैं, बल्कि तालिका में शीर्ष स्थान के दावेदार के रूप में दिखाई दे रहे हैं. चेतन सपकल ने क्वालीफिकेशन में श्रेष्ठ नियंत्रण और शांत मुद्रा के साथ शुरुआत की थी. 564-5× के स्कोर ने उन्हें तीसरा स्थान दिया और उनके प्रदर्शन ने कोच, साथियों और भारतीय दल में इस उम्मीद को जन्म दिया कि यह फाइनल भारत के लिए एक और पोडियम फिनिश लेकर आ सकता है.

लेकिन शूटिंग का फाइनल अक्सर रणनीति और नर्व्स का खेल होता है. जैसे-जैसे राउंड आगे बढ़ा, सपकल की रिदम टूटती गई और वह फाइनल में आठ के स्कोर के साथ बाहर होने वाले पहले शूटर बने. फाइनल में दक्षिण कोरिया का दबदबा स्पष्ट रहा. स्उंग ह्वा ली ने सुनियोजित और संयमित निशानेबाज़ी के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि उनके साथी ताए यंग किम ने कांस्य पर कब्ज़ा किया. उनके बीच यूक्रेन के सेरही ओहोरोडनिक ने शांत और स्थिर प्रदर्शन करते हुए रजत हासिल किया लेकिन इस फाइनल की कहानी सिर्फ एक मैच का नतीजा नहीं थी. यह उस भारतीय शूटिंग अभियान की आखिरी पंक्ति थी जिसने 10 दिनों में टोक्यो की शूटिंग रेंज पर मजबूत पहचान छोड़ी.

भारत के इस अभूतपूर्व अभियान की अगुवाई राइफल शूटर माहित संधू ने की. उन्होंने दो स्वर्ण और दो रजत सहित कुल चार पदक जीते और पूरे भारतीय दल की सबसे सफल एथलीट बनीं. उनके बाद पिस्टल शूटर अभिनव देशवाल और प्रांजलि प्रशांत धूमल रहे, जिन्होंने क्रमश: दो स्वर्ण और एक रजत जीता. धनुष श्रीकांत ने एयर राइफल में दो स्वर्ण जीतकर भारतीय दल की ऊर्जा को और मजबूती दी अन्य नाम भी इस उपलब्धि का हिस्सा बने. मोहम्मद मुर्तुजा वानिया ने एक रजत और एक कांस्य जीता, जबकि कोमल मिलिंद वाघमारे ने दो कांस्य अपने नाम किए.